22. चित्र-वर्णन

चित्रों या किसी दृश्य को देखकर उसमें हो रही गतिविधि या घटना के संबंध में अपनी अवलोकन क्षमता द्वारा क्रमबद्ध वाक्य लिखना चित्र-वर्णन कहलाता है। चित्र-वर्णन में कल्पनाशक्ति भी निहित होती है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को चित्र-वर्णन के मुख्य बिंदुओं से अवगत करवाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ 163-164 पर दिए चित्र को दिखाकर उस पर बातचीत करें। चित्र में क्या हो रहा है, चित्र कहाँ से संबंधित है, पूछते हुए चित्र का वर्णन बच्चों से पढ़वाएँ।
- ❖ बातचीत करें, जब वे किसी शादी या पार्टी में जाते हैं तो वहाँ का दृश्य कैसा होता है अथवा पिकनिक या मॉल का दृश्य क्या-क्या प्रकट करता है आदि बातचीत द्वारा बच्चों का ध्यान बनाए रखें।
- ❖ अभ्यास के लिए दिए गए चित्रों पर चर्चा करें तथा फिर उनका वर्णन लिखवाएँ। यथासंभव सहायता करें।